

भारत का पहला वाट्सएप अखबार

द कटपेस्ट.कॉम

ENDLESS REASONS TO SHOP

कैसर
making stories with style

संपादक : रामस्वरूप मूंदड़ा - 94250 53333

उपसंपादक : चंचल झंवर - 98936 04248

मनचाहे वार्ड से चुनाव लड़ने वालों की होगी नौद खराब

उच्च न्यायालय ने वार्ड आरक्षण को रद्द किया

इंदौर। वार्डों का आरक्षण अपने अनुकूल मानकर निगम चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे कई दावेदारों की नौद खराब होने जा रही है। इंदौर नगर निगम के 85 वार्डों का आरक्षण उच्च न्यायालय ने अवैध घोषित कर रद्द कर दिया। अब वार्डों का आरक्षण पुनः होगा तथा हर वार्ड पर चुनाव लड़ने वालों के समीकरण पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा। याचिकाकर्ता कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयेश गुरनानी की तरफ से अधिवक्ता श्री विभोर खंडेलवाल ने पैरवी की।

याचिकाकर्ता जयेश गुरनानी ने इस संवाददाता को बताया कि हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों के एक फैसले को कोर्ट करते हुए यह फैसला दिया है अतः अगर सरकार डिविजन बेंच और बाद में सुप्रीम कोर्ट में गई तो भी इस फैसले पर कोई



बदलाव होने की संभावना नहीं है। गुरनानी ने कहा सरकार की यह कोशिश नगर निगमों को प्रजातंत्र से वंचित करेगी एवं आने वाले कई दिनों तक नगर निगम में जनता की सरकार नहीं बन पाएगी। आप ने उम्मीद जताई कि सरकार इस फैसले को स्वीकार कर नए सिरे से वार्ड आरक्षण करवा कर शीघ्र निगम चुनाव कराएगी। इसी से निगम में प्रजातांत्रिक सरकारों का गठन हो सकेगा।

ओमीक्रॉन सिद्ध होगा प्राकृतिक वैक्सीन !

पूरी खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें

चुनाव से पहले ही UP में Priyanka को Imran ने दिया बड़ा झटका, कांग्रेस छोड़ थामेंगे सपा की साइकिल



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें

क्या BJP को पता था चुनाव आयोग का शेड्यूल? चुनावी पाबंदी से पहले ही मोदी-शाह-योगी ने 68% सीटों पर रैलियां कर ली थीं

दिविजयसिंह ने इंदौर में कहा

भारत में बच्चा पैदा करने की संख्या पर कोई रोक नहीं लगाई जा सकती, मेरे ही 5 बच्चे हैं

इंदौर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिविजयसिंह ने इंदौर में कहा कि वर्ष 2025-26 तक हिंदू आबादी और 2028-29 तक मुस्लिम आबादी स्टेबल हो जाएगी। इसलिए हिन्दू धर्म को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदौर में धौंस दपटकर सबसे ज्यादा चंदा खोरी की जाती है। चंदा नहीं देने पर देख लेने एवं निपटा देने की धमकियां भी दी जाती है। युवक कांग्रेस अगर ताकत से इन फासीवादी तत्वों के खिलाफ खड़ी हो जाए तो मेरा दावा है कि इंदौर इस चंदा खोरी से मुक्त हो जाएगा।



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें



पंजाब सरकार ने रची थी साजिश

किसानों को खुद लेकर आई थी पुलिस; पूर्व IAS ने किया खुलासा



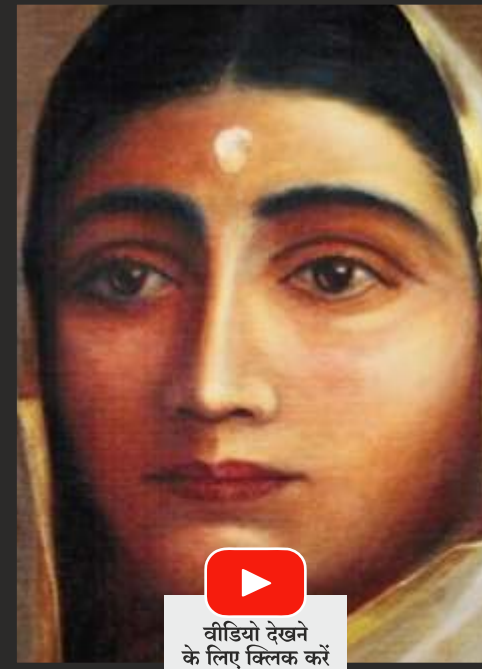
धारा 370 और 35(A) के बाद एक और फैसला, अब 26 दिसंबर बाल दिवस मनेगा. सरकार ने लिया निर्णय.



प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे ये 5 राजनेता, बेटे नहीं हासिल कर पाए राजनीति में कोई बड़ा मुकाम



PM Modi ने Kashi Vishwanath के कर्मचारियों को जूट के जूते क्यों भेजे ?



देवी अहिल्याबाई होल्कर की पूरी कहानी

लोग कह रहे हैं कि मोदीजी डर कर भागे । यह कहने वालो अपनी गलतफहमी दूर कर लो। मोदीजी अगर पांच मिनट ओर रुक जाते तो गद्दारों की लाशों के ढेर लग जाते। आप खुद सुन लीजिये ।



कैसर
making stories with style



Festive & Bridal
COLLECTION

• साड़ी • लहंगा • सूट • कुर्ती • इवनिंग गाउन • इंडोवेस्टर्न • प्लस साईज ड्रेसेस

गट्टानी सीमेंट के पास, टॉवर स्के., भंवरकुंआ मेन रोड, इन्दौर संपर्क: 93010 66666

भंवरकुंआ के अलावा हमारी अन्य कोई शाखा नहीं है।

पाटनीपुरा की पक्की दुकानों के कब्जे भी शीघ्र हटाएगा प्रसाशन



स्थान पर शिफ्ट कराने की योजना बनाई है और इसके लिए क्षेत्र में मुनादी भी की जा रही है। इधर सब्जी बेचने वालों का सर्वे कर उनके नाम-पते दर्ज किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें जगह अलाट की जा सके। अब इस सड़क पर दुकानदारों के कब्जे भी हटाने के लिए ट्रैफिक पुलिस और निगम प्लानिंग बनाने में जुटी है।

सबसे ज्यादा बढ़तर हालत अनूप टाकीज से भमोरी तक

पाटनीपुरा रोड पर दोनों छोर पर जगह-जगह सड़क तक फैले कब्जों के कारण यातायात का कबाड़ा होता है, लेकिन अनूप टाकीज (पेढिश्रज्जलशी) से लेकर भमोरी तक के हिस्सों में सबसे ज्यादा दुकानों के कब्जे सड़कों तक फैले हैं। कई जगह तो ऐसी हैं, 10 से 15 फीट आगे तक दुकानें लगती हैं और सड़क किनारे अलमारी, पलंग, फ्रिज जमा दिया जाता है और फुटपाथों पर बैंड की गाड़ियां खड़ी कर दी जाती हैं।

पूरी खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें

इन्दौर। पाटनीपुरा रोड पर सड़क पर लगने वाली सब्जी मंडी को शिफ्ट करने की कवायद चल रही है, इसी बीच वहां पाटनीपुरा चौराहे से भमोरी तक की सड़क पर पक्की दुकान वालों के कब्जे भी कम नहीं हैं। पूरी सड़क पर दुकान से 8 से 10 फीट आगे तक सामान फैलाकर रखा जाता है, जिससे यातायात जाम होता है।

इस सड़क के लिए भी कई लोगों ने अपने-अपने बाधक निर्माण खुद तोड़े थे और सबसे पहले सड़क इस दौरान बनाई गई थी, लेकिन धीरे-धीरे पाटनीपुरा से भमोरी तक की सड़क की हालत खस्ता होती गई और हालत यह हो गए हैं कि सड़क पर ही सब्जी मंडी शुरू हो गई थी। दो दिन पहले निगम ने सब्जी मंडी (शिशसर्शीरलश्रश रीज़र्शी) के व्यापारियों को अन्य

यातायात पुलिस को मिले 200 अतिरिक्त जवान, ट्रैफिक कंट्रोल में काम बढ़ेगा

इंदौर। बेहतर यातायात व्यवस्था पुलिस आयुक्त इंदौर की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक है, इसी कारण उनके द्वारा 200 जवानों का अतिरिक्त बल पुलिस उपायुक्त, यातायात प्रबंधन, महानगर इंदौर को उपलब्ध कराया है।

दिनांक 09.01.2022 को उलब्ध कराये गये अतिरिक्त 200 जवानों को पुलिस उपायुक्त, महेश चंद जैन द्वारा विस्तृत ब्रीफिंग की गई। क्या करना है, और क्या नहीं करना है की स्पष्ट समझाइश के साथ सबको बताया गया कि सामूहिक प्रयासों से हम इंदौर को यातायात के क्षेत्र में भी अनुकरणीय ना केवल बना सकते हैं, बल्कि बनायेंगे भी।

यातायात प्रबंधन के लिए 6 क्यू.आर.टी. बनाई गई जो शहर के विभिन्न चौराहों पर पहुंचकर रेड सिग्नल का उल्लंघन करने वाले, तेज गति से वाहन चलाने वाले, मोटर साइकिल के साइलेंसर में फटाखा जैसी आवाज सेट करने वाले चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी। प्रत्येक टीम का प्रभारी सूबेदार यातायात को रखा गया है। एक टीम में 10 सदस्य रहेंगे।

सभी आम जनता से अपील है कि चौराहों पर स्टाप लाइन का पालन करें, तेज गति से वाहन ना चलावें, तीन सवारी ना बैठे, रांग साइड ना चले, लेफ्ट टर्न को बाधित ना करें। उल्लंघन करने वालों पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

बैठक में शिक्षा मंत्री ने कहा- 8वीं तक के स्कूल बंद कराइए; CM बोले- अभी दो-तीन दिन रुको

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को समीक्षा बैठक में कहा है कि प्रदेश में फिलहाल पाबंदियां नहीं बढ़ाई जाएंगी। बच्चों के स्कूल बंद होंगे या नहीं, इसका फैसला भी दो-तीन दिन के लिए टाल दिया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल कोरोना के जो आंकड़े सामने आ रहे हैं,

उस हिसाब से सख्त कदम उठाने की जरूरत नहीं है। मास्क लगाने को लेकर सख्ती बढ़ाई जाए। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आठवीं तक के स्कूल बंद कराए जाएं। इस पर सीएम बोले- इसके लिए अभी दो-तीन दिन इंतजार करना चाहिए।

प्रेषक - प्रतीक तागड़, इंदौर



मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे भोपाल वैक्सीनेशन सेंटर पर



इंदौर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक, कई मुद्दों पर हुई बात!



इंदौर में साल का पहला कोल्ड डे



पूरी खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें



हिन्दी भाषा को लेकर ये वीडियो हमारी गलती भी बताएगा।

प्रेषक :
राजेन्द्र असावा, इंदौर



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें



मनोज मुंतशिर ने बताया कि तुलसीदास जी की रामायण में शायद कुछ छूट गया... निर्दोष थे राम

प्रेषक : सतीश राठी, इंदौर



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें

कसाई के पीछे घिसटती जा रही बकरी ने सामने से आ रहे सन्यासी को देखा, तो उसकी उम्मीद बढ़ी। मौत आँखों में लिए वह फरियाद करने लगी महाराज ! मेरे छोटे-छोटे मेमने हैं। आप इस कसाई से मेरी प्राण-रक्षा करें। मैं जब तक जियूँगी, अपने बच्चों के हिस्से का दूध आपको पिलाती रहूँगी। बकरी की करुण पुकार का सन्यासी पर कोई असर न पड़ा। वह निर्लस भाव से बोला मूर्ख बकरी, क्या तू नहीं जानती, कि मैं एक सन्यासी हूँ। जीवन-मृत्यु, हर्ष-शोक मोह-माया से परे। हर प्राणी को एक न एक दिन तो मरना ही है। समझ ले कि तेरी मौत इस कसाई के हाथों लिखी है। यदि यह पाप करेगा, तो ...

ईश्वर इसे भी दंडित करेगा। मेरे बिना मेरे मेमने जीते-जी मर जाएंगे। बकरी रोने लगी। नादान ! रोने से तो अच्छा है कि ... तू परमात्मा का नाम ले। याद रख, मृत्यु नए जीवन का द्वार है। सांसारिक रिश्ते-नाते प्राणी के मोह का परिणाम हैं। मोह .. माया से उपजता है। माया .. विकारों की जननी है। विकार .. आत्मा को भरमाए रखते हैं। बकरी निराश हो गई। सन्यासी के पीछे आ रहे कुत्ते से रहा न गया। उसने पूछा सन्यासी महाराज ! क्या आप मोह-माया से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं ? सन्यासी ने जवाब दिया बिलकुल भरा-पूरा परिवार था मेरा। सुंदर पत्नी, सुशील भाई-बहन माता-पिता, चाचा-ताऊ, बेटा-बेटी,

आत्म मूल्यांकन

जमीन-जायदाद। मैं एक ही झटके में सब कुछ छोड़कर परमात्मा की शरण में चला आया। सांसारिक प्रलोभनों से बहुत ऊपर। मोह-माया का यह निरर्थक संसार छोड़कर आया हूँ। जैसे कीचड़ में कमल। सन्यासी डींग मारने लगा। कुत्ते ने समझाया आप चाहें तो ... बकरी की प्राणरक्षा कर सकते हैं। कसाई आपकी बात नहीं टालेगा। एक जीव की रक्षा हो जाए, तो कितना उत्तम हो। सन्यासी ने कुत्ते को जीवन का सार समझाना शुरू कर दिया। मौत तो निश्चित ही है, आज नहीं तो कल, हर प्राणी को मरना है।

इसकी चिंता में व्यर्थ स्वयं को कष्ट देता है जीव। सन्यासी को लग रहा था, कि वह उसे संसार के मोह-माया से मुक्त कर रहा है। अभी सन्यासी अपना ज्ञान बघार ही रहा था, कि तभी ... सामने एक काला भुजंग नाग फन फैलाए दिखाई पड़ा। वह सन्यासी पर न जाने क्यों कुपित था। मानों ठान रखा हो कि आज तो तुझे डरूँगा ही। साँप को देखकर सन्यासी के पसीने छूटने लगे। मोह-मुक्ति का प्रवचन देने वाले सन्यासी ने कुत्ते की ओर मदद के लिए देखा। कुत्ते की हंसी छूट गई। सन्यासी महोदय !

मृत्यु तो नए जीवन का द्वार है। उसको एक न एक दिन तो आना ही है, फिर चिंता क्या ? कुत्ते ने सन्यासी की सीख दोहराई। अपना ही उपदेश भूलकर ... सन्यासी गिड़गिड़ाने लगा। कुत्ते ने उसकी ओर ध्यान न दिया। कुत्ते ने चुटकी ली आप अभी यमराज से बात करो। जीना तो बकरी भी चाहती है। इससे पहले कि कसाई उसको लेकर दूर निकल जाए, मुझे अपना कर्तव्य पूरा करना है। इतना कहते हुए कुत्ता छलांग लगाकर नाग के दूसरी ओर पहुँच गया। फिर दौड़ते हुए कसाई के पास पहुँचा, और ... उस पर टूट पड़ा। आकस्मिक हमले से कसाई संभल नहीं पाया और घबराकर इधर-उधर भागने लगा। बकरी की पकड़ ढीली हुई, तो वह जंगल में गायब हो गई। कसाई से निपटने के बाद कुत्ते ने

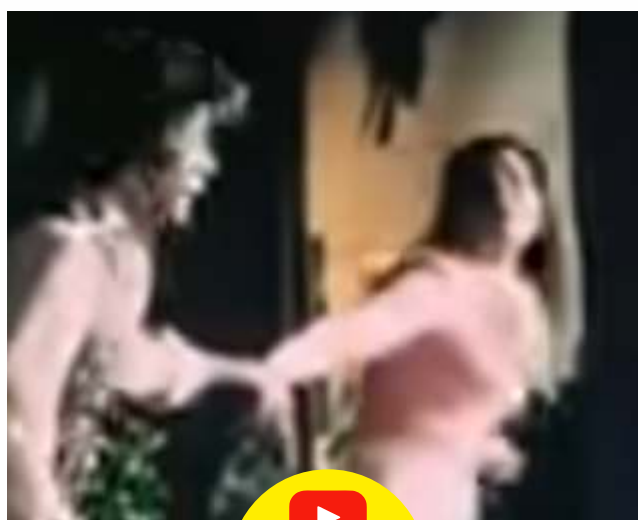
सन्यासी की ओर देखा। सन्यासी अभी भी 'मौत' के आगे काँप रहा था। कुत्ते का मन हुआ कि सन्यासी को उसके हाल पर छोड़कर आगे बढ़ जाए, लेकिन मन नहीं माना। वह दौड़कर विषधर के पीछे पहुँचा, और पूँछ पकड़ कर झाड़ियों की ओर उछाल दिया। सन्यासी की जान में जान आई। वह आभार भरे नेत्रों से कुत्ते को देखने लगा। कुत्ता बोला महाराज, जहाँ तक मैं समझता हूँ, मौत से वही ज्यादा डरते हैं, जो ... केवल अपने लिए जीते हैं। जीवन का समय-समय पर आत्म मूल्यांकन बहुत जरूरी है। हम संसार से छल कर सकते हैं, लेकिन स्वयं से नहीं छुपा सकते। इसलिए ... अपने हर कार्य को अपने अंतर्मन की कसौटी पर कसते रहना चाहिए। जो नियमित रूप से ऐसा करते रहते हैं उनमें, उनके अंदर का ईश्वर

जागृत रहता है। जिस दिन हम स्वयं से मुँह फेरने लगते हैं, उस दिन से पतन का आरंभ हो जाता है। जो सिर्फ अपनी चिंता करें वैसे इंसान और पशु में क्या फर्क रहा। गेरुआ पहनकर निकल जाने या कंठी माला डालकर प्रभु नाम जपने से कोई प्रभु का प्रिय नहीं हो जाता। जिसके मन में दया और करुणा नहीं उसे तो ईश्वर भी नहीं पूछते। धार्मिक प्रवचन उन्हें उनके पाप बोध से कुछ पल के लिए बचा ले जाते हैं। जीने के लिए संघर्ष अपरिहार्य है। संघर्ष के लिए विवेक, लेकिन मन में यदि करुणा-ममता न हों तो ये दोनों भी आडंबर बन जाते हैं।

प्रेषक :
हेमंत गड्डानी, इंदौर

वीडियो जरा हट के

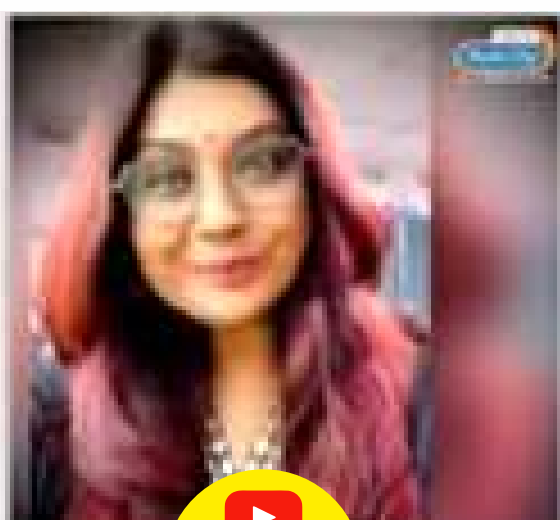
नए-पुराने यादगार वीडियो...



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें

अमिताभ बच्चन का खई के पान बनारस वाला अंदाज आज भी लोग याद करते हैं।

प्रेषक : देवेन्द्र ईनाणी, इंदौर



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें

आज का दिन हम उन लोगों को समर्पित करते हैं। जिन्होंने हमें धन्यवाद देने का मौका दिया।

प्रेषक :
कैलाश काबरा, गुवाहाटी



वीडियो देखने के लिए क्लिक करें

हमीद वालिया थोड़ी अलग सोच के तबला वादक हैं। फिल्मी गानों पर उनका तबला वादन आनंद देने वाला है। एक एक ताल लाजवाब है। फिल्म ज्वेल थीफ का ये सदाबहार गाना और उस पर जोशीला तबला वादन आपके दिन की अच्छी शुरुआत करेगा

प्रेषक : सतीश राठी, इंदौर

कृपया ध्यान दें: प्रत्येक खबर को पूरा पढ़ने के लिए कृपया हेडलाईन पर क्लिक करें।

सहयोगी - राजेंद्र असावा - 98270 53388, देवेन्द्र ईनाणी - 94794 00955, सुधीर दांडेकर - 94250 60003, कैलाश यादव - 94250 59766, प्रतीक तागड़ - 99932 99609

अरविंद उपाध्याय - 98267 26686, सौरभ खण्डेलवाल - 94250 - 52222, सोनू गौर - 99773 55111, युवराज दुबे - 955758 00005, नम्रता कचोलिया - 97555 95550

साभार : बीबीसी, दैनिक भास्कर, नईदुनिया, पत्रिका, प्रजातंत्र, पीपुल्स समाचार, टाईम्स ऑफ इंडिया, हिन्दुस्तान, नवभारत टाईम्स, यूट्यूब सहित टीवी चैनलों का.

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक रामस्वरूप मूंदड़ा द्वारा अनुरूप ग्राफिक्स से मुद्रित एवं प्रकाशित

* किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।